

में आठ, त्रिपुरा और चंडीगढ़ में दो-दो, हिमाचल प्रदेश और नागालैंड में एक-एक सक्रिय मामले हैं। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का फिलहाल कोई सक्रिय मामला नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारियों और विशेषज्ञों ने लोगों से कोरोना नियमों का पालन करने और मास्क पहनने, बार-बार हाथ धोने और भीड़-भाड़ वाले इलाकों खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ मामलों में वृद्धि हो रही है, जाने से बचने की अपील की है।

गुजराती बल ने टंगीनोडाल जिले में बीपी-87 में भारत-म्यांमार सीमा से देह अथवा दिवों को गिरफ्तार किया। एक अन्य घटना में सुरक्षा बलों ने मकाचिंग जिले के सेकमाडींग खुनौ से एक अउवादी को गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने इंग्फाल पूर्वी जिले के फकनंग थोंगखों से एक महिला को भी गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर अउवादी बातचीत जा रही है। इसके अलावा सुरक्षा बलों ने बिण्णुपुर जिले के झकता तरेपखोंशांगबी बाजपेन भी एक अउवादी को विभिन्न हथियारों और गोला-बारूद के साथ-साथ गिरफ्तार किया है। इसी तरह के अन्य अभियान में राज्य पुलिस ने इंग्फाल पूर्वी जिले में डीसी ऑफिस गेट के पास पोरोमपट से भी एक अउवादी को गिरफ्तार किया। इम्फाल पश्चिम जिले के हेब्रोंगलोग हिल्स से एक 303 ब्रिफड, मोजीन के साथ दो सिंगल बैरल राइफल, एक ग्रेनेड, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की गई।

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना यूथलीड (यूबीएल) प्रमुख उद्धव ठाकरे को जबरदस्त जवाब दिया है। उद्धव ठाकरे पार्टी के वर्षगांठ समारोह में बिना नाम लिखे बीजेपी की आलोचना कर रहे थे। देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे की आलोचना का जवाब देते बोल चुके हैं। ठाकरे फडणवीस को उद्धव ठाकरे की आलोचना का जवाब बहुत सीमित कहा है। लेकिन उन्होंने उद्धव ठाकरे की बात पर सटीक हमला बोला। देवेंद्र फडणवीस ने प्रश्नकारों से बातचीत में कहा, मैं बोल बचन भैरवी का जवाब नहीं देता। ये बोल बचन है और मैं इसका जवाब नहीं देता। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार (20) को जलगांव के दौरे पर थे। यहाँ शिवसेना दौरेन उन्होंने मीडिया से बातचीत की। शिवसेना ठाकरे गुट के प्रमुख



अपका नामोनिशान मिटा देंगे। उद्धव ठाकरे ने केंद्र की बीजेपी सरकार पर भी कटाक्ष किया था। उन्होंने कहा कि जब से केंद्र में उनकी सरकार आई, तो लेबर से पनौती लगी हुई है। उद्धव ठाकरे ने अंपरेशन सिंदूर, टंग के दाबे, तबक प्रथममंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री पर हमला बोला था। हालांकि, अंपरेशन सिंदूर में बीजेपी ने ठाकरे की इस टिप्पणी का भी जबाब दिया। शुक्रवार को, ग्राईएनएस से बातचीत में भाजपा नेता राम कदम ने कहा, अंपरेशन सिंदूर पर स्वावल उन्माद उन लोगों का अपमान है जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया है, साथ ही उन बहादुर सैनिकों का भी अपमान है जो दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। इस तरह के संदेश हमारे सशस्त्र बलों के लिए पूरी तरह से अपमान है। उद्धव ठाकरे अब पहले वाले उद्धव ठाकरे नहीं हैं, वे अब उद्धव गांधी बन गए हैं। इसलिए गांधी परिवार की भाषा बोलना उनकी मानबुरी बन गई है। ऐकनथ सिंदे के साथ उनके साथी जयशंकर भी हैं। ठाकरे की दिमागी खलत उन्माद नजर नहीं आती है। उन्हें अच्छे डॉक्टर और अच्छे अस्पताल की जरूरत है।

पुरुलिया । पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में भीषण सड़क दुर्घटना हुई है, जिसमें नौ लोग मारे गए। हदसा बलरामपुर थाना क्षेत्र के जमशेठ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 18 पर उस समय हुआ, जब बोलेरों की टोली में खबर लोग एक शहीद समारोह से लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार ताबिक, सुबह 7 बजे पुरुलिया-जमशेदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 18 पर बलरामपुर के नामशूल में एकसीडेंट हुआ। बारातियों से भरी बोलैरो गाड़ी गंगादी समारोह से वापस पुरुलिया से बलरामपुर की ओर लौट रही थी। अचानक जमशेदपुर की ओर से एक गाड़ी आ रही थी। गाड़ी ने जमशेठ के गाड़ी को टक्कर मार दी। इससे गाड़ी में सवार सभी लोग घायल हो गईं, जबकि भारी ट्रक को लदा ट्रेलर भी सड़क



राष्ट्रीय रावण गायत्री घटना के बारे में जाये। हृदये की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुँची। बोलेरो में सवार 9 लोगों को ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि मृतक झारखंड के निमडोह के निवासी थे, जो पुलिस के एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद पर दौड़ रहे थे। बीजेपी नेता सुवेन्दु अधिकारी ने इस सड़क दुर्घटना पर दुःख जताया है। उन्होंने कहा कि राजीव संदेनगांव अंत पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने लगातार दुर्घटना अपनी जान गंवा दी। सुवेन्दु अधिकारी ने कहा, सरकार पर पोस्ट में कहा, सुबह 8 बजे राखिया के बरामपुर में एक दुर्घटन सड़क दुर्घटना में 9 लोगों की जान ली गई। ये घटना राष्ट्रीय रावणगंगा 18 पर नामशेष गांव में हुई। एक राखिया के बरामपुर के एक बोलेरो वाहन को टक्कर मार दी और दोनों वाहन घटनास्थल पर ही पलट गए। बीजेपी नेता ने पुरालिया हृदये से पहले गुस्काव को पकड़ में हुई घटना का जिक्र करते हुए राज्य सरकार को घेरा।

एजेंसी
आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 7283 करोड़ की लागत से बने 91 किलोमीटर लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दल समाजवादी पर तंज करते हुए कहा कि आजिले के लिए किताब उठा रहा, इस उत्तर प्रदेश राज्य एक्सप्रेस वे प्रदेश बन रहा है। लोकार्पण के बाद जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस

एएनसी
लखनऊ । उत्तर प्रदेश के
सरकारी विभाग में तबादलों में हुए
भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को
लेकर सियासत तेज हो गई है।
तबादले के मुद्दे पर सपा नेता
अखिलेश यादव के बाद बसपा
सुप्रियो मायावती ने भी सरकार पर
निशाना साधा है। मायावती ने कहा
कि सरकारी भ्रष्टाचार और अप्रसन्न
की मनमानी पर मुख्यमंत्री योगी
आदित्यनाथ को जल्द से जल्द सख्त
कार्रवाई करनी चाहिए। मायावती ने
'एक्स' पर सोशल मीडिया पोस्ट में
लिखा, 'देश के अधिकतर प्रदेशों की
तहreek 'दूध' में भी हर स्तर पर सरकारी
कार्यकलापों के साथ ही विभिन्न
विभागों में भ्रष्टाचार और हिस्सेदारी के
आरोपों से घिरे तबादलों की अनवरत
अन चर्चा व खबरों का सीएम योगी
आदित्यनाथ को कड़ा संज्ञान लेकर न
सिर्फ भ्रष्टाचार निरोधक विजिलेंस
विभाग आदि को सख्त करना चाहिए,
बल्कि समयबद्ध एफआईटी का भी



दिनेश लाल यादव निरहुआ को सांसद बनाया। वर्ष 2016 में उन लोग 110 मीटर चौड़ा एक्सप्रेसवे बनाने के टेंडर जारी कर दिया था। एक्सप्रेसवे निर्माण में डकैती डालने वाले आज निम्नमंदारी का ढोंग दिखा रहे हैं। वे मुम्बई की डी कम्पनी के नागरिकों के सामने पहचान का संकेत था। पूर्व की सरकारों ने आजमाएद के लिए पहचान का संकेत पैदा कर दिया था। आज आजमगढ़वाले अद्वय साहस का गढ़ बन गया है। प्रगति होगी तो समृद्धि होगी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से इस आजमगढ़ मऊ के

साथ पार्टनरशिप करते थे। अंडरवर्ल्ड के साथ साठगांठ करते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 वर्ष पर पहले उत्तर प्रदेश के युवा और

लोग सुबह लखनऊ जाकर काम निपटा कर वापस आ जाते हैं। योपी ने कहा कि वर्ष 2017 में जब हम आये तो उत्तर प्रदेश में डेढ़ एक्सप्रेसवे थे। अब पटना से लेकर लखनऊ से दिल्ली की कनेक्टिविटी बन कर तैयार हो रही है। दिल्ली मेट्रो के बीच 12 लेन का एक्सप्रेसवे पहले बन चुका है। 45 मिनट में दिल्ली से मेट्रो तक आवागमन होता है। मेट्रो से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे-बन कर तैयार हो रहा है। 6 एक्सप्रेसवे निर्माणधीन हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर को इतना मजबूत कर देंगे कि प्रदेश को समृद्ध होने से कोई रोक नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले पता ही नहीं चलता था कि गड्डे में सड़क है या सड़क में गड्डे। आज इन्हीं एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक क्लस्टर बनाये जा रहे हैं। उद्योग यहीं लगेंगे, युवाओं को रोजगार यहीं मिलेगा।

तंत्र पात्रा ने शुक्रवार को कांग्रेस कर्नाटक सरकार द्वारा मुस्लिम आधाय के लिए 15 प्रतिशत आवास योजना करने के निर्णय पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में आवास योजना जैसी कल्याणकारी योजना को धार्मिक रूप दिया जा रहा है। आवाजा सांसद सविता पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी सत्ता में है, वहल के मुख्यमंत्री सिद्धार्थमैया हैं। कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने निर्णय लिया कि आवास योजना को धार्मिक रूप से प्रचारित करने के लिए विशेष रूप से आवास प्रदान किया जाएगा और यह आवास बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया जाएगा। आवास योजना जैसी आवाजाणकारी योजना को धार्मिक रूप से प्रचारित किया जा रहा है। 15 प्रतिशत आवास मुसलमानों के लिए आवंटित किया जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अल्पसंख्यक राजनीति को



परिवार और खासकर राहुल गांधी के लिए धार्मिक तुष्टिकरण सविधान से भी ऊपर है। तुष्टिकरण की यह राजनीति पहली बार नहीं हो रही है। कर्नाटक में आपको याद होगा कि मार्च में 21 मार्च को कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में, पारदर्शिता संसोधन विधेयक, 2025 में संशोधन लाया गया था। इस संशोधन के माध्यम से यह निर्णय लिया गया

है। एयर इंडिया ने कहा, +हमें यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है। हमारे ग्राउंड सहयोगी उनके लिए जल्द से जल्द अपने गंतव्यों तक उड़ान भरने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे



है। इसके अलावा, एयरलाइन ने यात्रियों को हवाईअड्डों पर जाने से पहले उड़ानों की स्थिति की जांच करने की भी सलाह दी है। एयर इंडिया ने आगे कहा कि विमानों की लगातार बढ़ती जांच, हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों और खराब मौसम के कारण कुछ व्यवधानों की आशंका है और जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होगी, यात्रियों को इसकी सूचना दी जाएगी।

कि 2 करोड़ रुपए से कम के सभी राज्य निविदाओं में 4 प्रतिशत का आरक्षण मुस्लिमों के लिए होगा। राज्य निविदाओं में भी कांप्रेस ने मार्च में धार्मिक आधार पर आरक्षण लागू किया। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कर्नाटक में कल्याणकारी योजनाएं, जो जनहित में होनी चाहिए, तुष्टिकरण के साधन में बदल गई हैं। ये केवल कर्नाटक की कहानी नहीं बल्कि जहाँ भी कांप्रेस रहती है, वहाँ वह धर्म और तुष्टिकरण के आधार पर फैसला लिया जाता है। भाषण सांसद संबित पात्रा ने कहा, कुछ दिना पहले ही हमने देखा कि सिद्धारमेया के नेतृत्व में कर्नाटक सरकार द्वारा कई गई जाति जनगणना पर लगभग 165 करोड़ रुपए खर्च हुए। इतनी बड़ी राशि खर्च करने के बावजूद अब जनगणना की खारिज कर दिया गया है और उन्होंने एक नई जाति जनगणना की घोषणा की है। अब सिद्धारमेया कहते हैं कि एक नई जाति जनगणना कर दिया जाएगा।

नई दिल्ली । दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रमोद वर्मा ने आम आदमी पार्टी (आप) की पूर्ववर्ती सरकार पर नालों की सफाई और बाढ़ प्रबंधन में विफलता का आरोप लगाते हुए टीका हँसला बोला। वर्मा ने कहा कि उनकी सरकार सत्ता में आने के बाद हर दिन केजरीवाल सरकार की कामियों को उजागर कर रही है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में नालियाँ पूरी तरह जाम हैं, उनकी सफाई कभी नहीं हुई। आप पिछले दस वर्षों में कोई ठोस जमीनी काम नहीं हुआ। वर्मा ने बताया कि वर्तमान में 70 फीसदी पीडब्ल्यूडी नालों की सफाई पूरी हो चुकी है। उन्होंने आप नेताओं पर उपशाना साधते हुए कहा कि उन्हें निदेश देने के बजाय यह जवाब देना चाहिए कि उनके सफाई क्यों नहीं हुई और बाढ़ प्रबंधन के लिए कोई दैनिककाल योजना क्यों नहीं बनाई गई। उन्होंने सवाल उठाया कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग (आईएंडएफसी) को करोड़ों रुपये आवंटित होने के बावजूद हर बारिश में दिल्ली जलमग्न क्यों हो जाती है। प्रवेश वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, दिल्ली में सत्ता में आने के बाद से हर दिन हम नई सच्चाई को उजागर कर रहे हैं—नालियाँ पूरी तरह जाम हैं, पाइपलाइनों की सफाई कभी नहीं हुई, और पिछले दस सालों में कोई जमीनी काम नहीं हुआ। यह केजरीवाल सरकार की असली विरासत है। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, अब तक 70 फीसदी पीडब्ल्यूडी नालियाँ साफ हो चुकी हैं।

मोदिया ने कहा कि वे सभी कानूनी
ओं का पालन करेंगे और सच जनता
ने आएगा। बयान देने के बाद मनीष
या अपने घर से एसीबी दफ्तर के
गाना हो गए, जहाँ उनसे पूछताछ की

और उन्हें जांच के लिए बुलाया है। एसीबी के पास जांच में जाने से पहले मनीष सिंसोदिया ने कहा है कि यह कार्रवाई पूरी तरीके से फर्जी है। उन्होंने कहा कि उन पर बार-बार फर्जी मामले दर्ज कर उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। सिंसोदिया ने कहा,

एसीबी मुझसे उन्हीं मामलों को लेकर पृष्ठताछ कर रही है जो पूरी तरह से तथ्यहीन और निराधार हैं। यह सब राजनीतिक द्वेष के तहत किया जा रहा है ताकि मेरी छवि को खराब किया जा सके। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार और भाजपा दिल्ली में आम

आदमी पार्टी की लोकप्रियता से डरती है, और इसलिए उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा की शह पर जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

भूटिया के आरोप बेबुनियाद, एआईएफएफ की छवि खराब कर रहे - कल्याण चौबे

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। भूटिया के लगाए आरोपों के बाद कल्याण चौबे ने उन्हें एआईएफएफ की 2 जुलाई को होने वाली बैठक में आमंत्रित किया है। बाइचुंग भूटिया को 2022 में एआईएफएफ के अध्यक्ष के चुनाव में कल्याण चौबे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भूटिया उनके आलोचक रहे हैं। हाल के दिनों भारतीय फुटबॉल टीम का प्रदर्शन खराब रहा है, जिसके बाद वह और ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। कल्याण चौबे ने कहा, 'हम दो नारों में विश्वास करते हैं - पहला 'फुटबॉल दुनिया को एकजुट करता है' और दूसरा 'भारतीय फुटबॉल, एक साथ आगे बढ़े'। ये नारे हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि एक साथ काम करके हम भारतीय फुटबॉल को और ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।' उन्होंने कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जहां हर नागरिकों को बोलने की स्वतंत्रता का संवैधानिक अधिकार है। एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में बाइचुंग भूटिया के पास अपने विचार व्यक्त करने, चिंताओं को उठाने और विभिन्न एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठकों में भारतीय फुटबॉल के विकास और प्रदर्शन की दिशा में रचनात्मक योगदान देने के लिए एक उपयुक्त और सशक्त मंच तक पहुंच है। उन्हें 2 जुलाई की बैठक में बुलाया गया है।

परिवहन मंत्री का डीटीसी की कमाई और इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने गुरुवार को सचिवालय में दिल्ली परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में पंकज कुमार सिंह ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को डीटीसी के इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को और तेजी से बढ़ाने, दिल्ली के अंतिम छोर तक बसों की कनेक्टिविटी बढ़ाने के साथ ही दिल्ली परिवहन निगम की वित्तीय सेहत को और ज्यादा मजबूत बनाने पर जोर दिया। साथ ही मंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को दिल्ली में जल्द से जल्द बसों के रूट रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया पूरी लागू करने का निर्देश दिया। परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के साथ हुई समीक्षा बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इसी महीने 150 नई देवी इलेक्ट्रिक बसें डीटीसी के बेड़े में शामिल हो जाएंगी। इस साल के अंत तक डीटीसी में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा 5000 से ज्यादा का हो जाएगा।परिवहन मंत्री ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर दौड़ रही देवी इलेक्ट्रिक बसों को दिल्ली की जनता की शानदार प्रक्रिया मिल रहा है। परिवहन विभाग की अहम बैठक में परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बसों के रूट रेशनलाइजेशन करने पर विशेष तौर पर जोर देते हुए कहा कि फिलहाल डीटीसी ने 109 रूट को बेरीफाई कर लिया है।

सेंट्रल पार्क में 25 जून को आपातकाल की पृष्ठभूमि पर लगेगी प्रदर्शनी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति, भाषा एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने अपने कार्यालय में बैठक के दौरान निर्देश दिए कि 25 जून को दिल्ली के सेंट्रल पार्क कॉर्नट प्लेस में एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी साल 1975 में देश में लगी आपातकाल की पृष्ठभूमि और भारतीय लोकतंत्र पर उसके प्रभाव को जनमानस के समक्ष लाने के उद्देश्य से लगाई जा रही है। प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में आपातकाल से संबंधित अभिलेखों और फोटोग्राफ को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री और अन्य विशिष्ट जन सम्मिलित होंगे। बैठक में कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 25 जून, 1975 को देश में लगाए गए आपातकाल के विरोध में दिल्ली सरकार द्वारा सांस्कृतिक और वैचारिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कपिल मिश्रा ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश में आपातकाल घोषित किया था।

मंत्री सरसा ने लोदी रोड पर प्रदूषण को कम करने वाले सिस्टम का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सरसा ने लोधी रोड पर धूल को दबाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए लगे ऑटोमैटिक मिस्टिंग सिस्टम का निरीक्षण किया। ये सिस्टम न केवल सेंट्रल दिल्ली में बल्कि द्वारका की डीडीए सड़कों पर भी चालू हैं। निरीक्षण के दौरान मंत्री सरसा ने कहा कि दिल्ली बदल रही है। हम प्रदूषण से लड़ने के लिए डेटा-ड्रिवन और टेक्नोलॉजी-बेस्ड सॉल्यूशंस लागू कर रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए किए जा रहे काम अपने वाले समय में अन्य राज्यों के लिए भी एक मानक बनेंगे। लोधी रोड पर पूरा हो चुका यह प्रोजेक्ट 560 मीटर में फैला हुआ है, जहां 15 पोल लगाए गए हैं। हर पोल पर 30 हाई-प्रेसर ब्रास और स्टैनलेस स्टील मिस्टिंग नोजलस लगाए गए हैं, जो 40 बार प्रेशर पर 2.8 लीटर प्रति घंटा की दर से अल्ट्रा-फाइन मिस्ट स्प्रे करते हैं। यह सिस्टम 10 एचपी के मिस्टिंग पंप से संचालित होता है, जिसमें एसएस पाइपलाइन, आरओ यूनिट, पीवीसी टैंक, कंट्रोल पैनल और एक समर्पित पंप रूम शामिल है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना नदी के तट पर किया योग, सफाई का संकल्प दोहराया

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सुबह यमुना नदी के तट पर योग किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नती किनारे आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मां यमुना हमारी आस्था का प्रतीक है। सालों से सता में रही सरकारों ने यमुना की अनदेखी की है। भारतीय जनता पार्टी (हमने) ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही यमुना नदी को साफ करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा हम लोगों ने इसी नदी के किनारे योग किया। दिल्ली के लोग देख लें कि मां यमुना को पावन करने का काम जारी है। जल्द ही यहां क्रूज चलेंगे। पहली बार यमुना नदी को साफ करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हमारी कोशिश होगी कि अगर यमुना नदी में पानी की एक भी बूंद गिरे तो वो साफ हो। रेखा गुप्ता ने इससे पहले एक्स हैडल पर लिखा, दिल्लीवासियों का हृदय से धन्यवाद। आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर राजधानी के 11 स्थलों पर आयोजित भव्य योग



भारतीय जनता पार्टी (हमने) ने दिल्ली की सत्ता संभालते ही यमुना नदी को साफ करने का बीड़ा उठाया। उन्होंने कहा हम लोगों ने इसी नदी के किनारे योग किया।

चलते हैं, तो संस्कृति जन-जन का संकल्प बन जाती है। उन्होंने एक्स

दिल्ली विधानसभा को लिविंग हेरिटेज साइट के रूप में विकसित करने को हरसंभव सहयोग का शेखावत ने दिया आश्वासन

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को पत्र लिखकर विधानसभा को राष्ट्रीय महत्व की लिविंग हेरिटेज साइट के रूप में विकसित करने की पहल को पूर्ण समर्थन और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है। यह जानकारी विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने एक बयान में दी गुप्ता को संबोधित पत्र में शेखावत ने लिखा, हम आपके कार्यालय के साथ मिलकर इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित करने और दिल्ली तथा देशवासियों के लिए इसके पूर्ण सांस्कृतिक विरासत और उसके महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हर संभव सहयता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली विधानसभा भवन केवल हमारी राजनीतिक



विरासत का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह स्थापत्य और ऐतिहासिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे एक जीवंत

मंत्री शेखावत से मुलाकात कर यहां चल रहे विकासात्मक पहलों पर चर्चा की थी और विधानसभा परिसर को

संरचना है) को एक विरासत केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया था। पत्र में इस परियोजना के लिए एक समग्र परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए मंत्रालय से सहयोग का आग्रह भी किया गया था। इसके बाद 23 मई को संस्कृति मंत्रालय और दिल्ली विधानसभा सचिवालय के बीच सचिव स्तर की बैठक हुई, जिसमें इस सहयोग को लेकर सकारात्मक प्रगति हुई और पहल को आगे बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश तय किए गए। शेखावत ने मंत्रालय की ओर से हरसंभव सहयता का आश्वासन दिया है और वे शीघ्र ही वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली विधानसभा का दौरा कर इस परियोजना का मूल्यांकन करेंगे। इसे परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे।

योग शारीरिक अनुशासन ही नहीं, वह गहन मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास भी-नड्डु

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष एवं केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डु ने दिल्ली के कर्तव्य पथ पर योग किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को शुभकामनाएं देते हुए योगाभ्यास को जीवन में शामिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शब्द %योग% का अर्थ है %एकजुट होना% या %संक्षेप में प्रस्तुत करना% - जो शरीर, मन और आत्मा के मिलन का प्रतीक है। यह न केवल एक शारीरिक अनुशासन है, बल्कि एक गहन मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास भी है। नड्डु ने कहा कि योग दिवस की कल्पना और योग दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाए, इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में की थी। 2014 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की सभा में कहा था कि योग दिवस मनाया जाना चाहिए और लगभग 170 से अधिक देशों ने

इसका समर्थन किया। उसके बाद दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने ये घोषणा की कि 21 जून को हर वर्ष



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रस्ताव को प्रधानमंत्री ने रखा था, उसको संयुक्त राष्ट्र ने सर्वसम्मति से पारित करके 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया शुरू किया। नड्डु

ने योग के लाभ पर जोर देते हुए कहा कि योग हमारे भारत की प्राचीन प्रथा है। योग केवल एक शारीरिक व्यायाम

नहीं है। यह एक ऐसा मार्ग है जिसके माध्यम से हम अपनी आंतरिक चेतना से जुड़ने का प्रयास करते हैं। अकसर ध्यान जैसी प्रथाओं के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को भी ठीक बना जा सकता है।

पहला सुख निरोगी काया, रोज योग करें, स्वस्थ रहें-शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि,किसान कल्याण और ग्रामीण विकासमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा लखपति दीदियों के साथ आज नई दिल्ली स्थित पूसा कैम्पस में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग किया। सिंह ने कहा कि शरीर को स्थिर और स्वस्थ रखना ही आसन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे सामने उदाहरण स्वरूप हैं, जो 24 घंटे, सातों दिन और 12 महीने सक्रिय रूप से काम में व्यस्त रहते हैं। बिना थके, बिना रुके एक देश से दूसरे देश और एक राज्य से दूसरे राज्य का दौरा करते हैं। यह योग का ही

चमत्कार है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्राणायाम के जरिए यदि श्वास पर नियंत्रण किया जाए तो



चमत्कारी परिणाम मिलते हैं। हमारे यहां कहा गया है- पहला सुख निरोगी काया-। शरीर स्वस्थ रहना जरूरी है, तभी आप काम कर पाएंगे नहीं तो कुछ भी संभव नहीं। हमें याद रखना

होगा 'शरीरमाधं खलु धर्मसाधनम्' यानी शरीर माध्यम है सभी धर्मों का पालन करने का। शरीर को मंदिर

इंडिया की बात करते हैं। उन्होंने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि वर्ष 1998 में एक भयानक दुर्घटना के कारण मैं गंभीर रूप से घायल हो गया था। शरीर के आठ हिस्सों में चोट आई थी। मैं कल्पना भी नहीं कर पा रहा था कि मैं दोबारा सामान्य रूप से कभी चल भी पाऊंगा, तब योग ने ही मेरे जीवन में परिवर्तनीय भूमिका निभाई। योग के लाभ से ही आज सामान्य रूप से स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहा हूं। पुरानी चोट का कोई प्रभाव महसूस नहीं होता। चौहान ने आह्वान किया कि बाकी चीजों की तरफ न भी जाएं तो स्वस्थ और प्रसन्न रहने के लिए ही सही, योग को सिर्फ एक दिन औपचारिकता मात्र नहीं बल्कि अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

मोदी सरकार का 11 साल का कार्यकाल राष्ट्र निर्माण की मिसाल : बांसुरी स्वरान

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की सांसद बांसुरी स्वरान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल की व्याख्या की। उन्होंने सरकार के कार्यकाल को राष्ट्र के मूल निर्माण का दौर बताया। बांसुरी स्वरान ने कहा कि आज विदेशों में भारत की धाक बढ़ी है। भारतीय नागरिकों को अन्य देशों में आज सम्मान की नजरों से देखा जाता है। भारत में हुए विकास की बात करते हुए उन्होंने कहा कि इफ्रास्ट्रक्चर में एक बड़ी क्रांति आई है। बांसुरी स्वरान ने कहा, +2014 से पहले कश्मीर में तिरंगा फहराना भी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन आज हलत बदल चुके हैं। आज हम गर्व से देख सकते हैं कि चिनाव ब्रिज जैसे विशाल निर्माण कार्य पूरे हुए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां तिरंगा लेकर नजर आए। ये सिर्फ विकास के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि भारत के आत्मसम्मान और मनोबल के भी प्रतीक हैं। मोदी सरकार की सुरुआत ही पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने 2026 तक भारत को नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त करने का लक्ष्य रखा है और अब तक

60 से अधिक जिले नक्सलवाद से मुक्त हो चुके हैं। बांसुरी स्वरान ने आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को भी रेखांकित किया। भाजपा सांसद ने कहा, जब-जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद ने भारत पर हमला किया, तब-तब हमारी सेनाओं ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसका मुहताज जवाब दिया। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या हाल ही में सफल हुआ ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने दिखाया है कि हम अपनी सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करते। बांसुरी स्वरान ने हाल में हुई कूटनीतिक पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने राजनीतिक विचारधाराओं की भिन्नता को पीछे छोड़ते हुए सभी दलों के सांसदों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए विदेश भेजा। उन्होंने कहा, हर सांसद ने भारत की एकता की बात की। ये हमारे लिए एक बड़ी खुशी है। कोविड महामारी के समय मोदी सरकार की नीति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने कई देशों को मुक्त वैक्सीन भेजी, जो उन देशों के लिए संजीवनी बूटी साबित हुई।

जरूरी निवेश के साथ लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित अर्बन चैलेंज फंड का उद्देश्य 25 प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र की सीड फंडिंग, 50 प्रतिशत बाजार पूंजी और 25 प्रतिशत राज्य के योगदान के मिश्रण से इस परिवर्तन को गति देना है।

शहरी आबादी 70 मिलियन तक बढ़ने की संभावना

आबादी चुनौतियां और अवसर दोनों प्रस्तुत करती है। इससे देश में और अधिक शहरों का निर्माण होगा, इसलिए शहरी विकास के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वरिष्ठ अधिकारी ने आगे कहा कि मौजूदा शहरों को बेहतर बनाने के लिए

अवसर दोनों प्रस्तुत करती है। इससे देश में और अधिक शहरों का निर्माण होगा, इसलिए शहरी विकास के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वरिष्ठ अधिकारी ने आगे कहा कि मौजूदा शहरों को बेहतर बनाने के लिए

फिट इंडिया कल्ट योगाथन में रकुल और जैकी ने लिया हिस्सा, बोले- ‘योग शॉर्टकट नहीं, बल्कि जुनून’

एजेंसी
नई दिल्ली। नई दिल्ली में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर आयोजित 'फिट इंडिया कल्ट योगाथन' कार्यक्रम में कई मशहूर हस्तियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर जानी-मानी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, अभिनेता- निर्माता जैकी भगनानी और अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। इस दौरान उन्होंने लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक और प्रेरित किया। साथ ही अपने अनुभव भी साझा किए। इस खास मौके पर आईएनएस से बात करते हुए जैकी भगनानी ने बताया कि किसने उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में फिटनेस को लेकर जागरूकता बढ़ी है। यहां मंत्री से मिलकर काफी अच्छा लगा, क्योंकि मंत्री खुद 'साइक्लोथॉन' और 'हर रविवार साइकिल चलाओ' जैसी पहल का हिस्सा हैं। मैं पहले कभी 150 किलो का था और अब 75 किलो वजन कम कर चुका हूं। आज इस पहल का हिस्सा बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है।+ वहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने भी योग और फिटनेस को अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, +फिटनेस मेरे और जैकी के लिए सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है। यह कोई शॉर्टकट या सिर्फ पतले रहने का उपाय नहीं, बल्कि एक जुनून है। योग, वेलनेस और फिट इंडिया मूवमेंट से जुड़कर मुझे बेहद खुशी हो रही है। कार्यक्रम में मौजूद मधुरिमा तुली ने भी योग के प्रति अपने लगाव को साझा किया। उन्होंने कहा, मैं 10 साल की उम्र से योग कर रही हूं। मुझे योग मेरे माता-पिता ने सिखाया था। आज यह देखकर बहुत गर्व होता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 : भारत योग के प्रति वैश्विक जागरूकता फैलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा

एजेंसी
नई दिल्ली। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भगवान बुद्ध की जीवन साधना और शिक्षाओं को दर्शाती कान्हेरी में ध्यान व योग करते हुए यह अनुभूति हुई कि आंतरिक शांति ही सच्ची प्रगति का मूल है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने योग दिवस के अवसर पर संजय गांधी नेशनल पार्क स्थित ऐतिहासिक कान्हेरी गुफाओं में अपने परिवारजनों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने कहा, भारत योग के प्रति वैश्विक जागरूकता फैलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, भारत जो पहल करता है, वही भविष्य है। पिछले 1 दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग को प्रचारित करने के संकल्प ने दुनिया में नई स्वास्थ्य क्रांति की शुरुआत की है, जो ऐतिहासिक उपलब्धि है।योग के प्रति



पर 11 दिसंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मानाए जाने की घोषणा की थी। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग रखी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह थीम मानव

और स्वास्थ्य के बीच संबंध उजागर करती है और सामूहिक कल्याण की वैश्विक दृष्टि को प्रतिबिम्बित करता है, जो भारत के सर्वे संतु निरामया (सभी योग मुक्त हों) के दर्शन में निहित है।इस बीच,

यूआई से भारत लाया गया भगोड़ा उपवन पवन जैन, ठगी के गंभीर आरोप

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। गुजरात के चणोड़े उपवन पवन जैन को यूआई से प्रत्यर्पण करके लाया गया है। उपवन पवन जैन गुजरात पुलिस का वांछित आरोपी है, जिसके खिलाफ धोखाधड़ी, कीमती दस्तावेजों की जालसाजी और आपराधिक षड्यंत्र के गंभीर आरोप हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) और एनसीबी-अबू धाबी से कॉर्डिनेशन किया। इस सहयोग से अपराधी के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया गया। इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को वांछित अपराधियों और आरोपियों की

ट्रैकिंग के लिए भेजा जाता है। इसके बाद एजेंसी ने इंटरपोल और अबू धाबी के एनसीबी के साथ मिलकर आरोपी को यूआई में ट्रेस किया और निरंतर समन्वय कर उसे भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की। इंटरपोल चैनलों के माध्यम से इस कॉर्डिनेशन के बाद उपवन पवन जैन को 20 जून को भारत वापस लाया गया। सीबीआई ने एक प्रेस नोट में बताया कि सीबीआई ने गुजरात पुलिस के अनुरोध पर 6 मार्च 2023 को इंटरपोल रेड नोटिस जारी करवाया था। उपवन पवन जैन की गिरफ्तारी यूआई में हुई और उसके बाद भारत सरकार के गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के माध्यम से प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया था।

योग जीवन के हर पहलू में संतुलन स्थापित करने की चिर पुरातन भारतीय परंपरा : ओम बिरला

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर देश-दुनिया में लोग योगाभ्यास करते देख रहे हैं। इस बार की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है, जो हमारे लोकवाक्य सर्वे संतु निरामया: की

भावना से प्रेरित होकर मानव और पृथ्वी के सामूहिक कल्याण की समग्र दृष्टि को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने आगे कहा, इस अवसर पर आइए, हम स्वयं और समाज के लिए योग की भावना को आत्मसात करें, स्वयं योग से जुड़ें और अपने आस-पास के लोगों को भी इस दिव्य पथ पर प्रेरित करें। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समस्त मानव जाति के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक निरामय के साथ

नहीं है - यह एक अभ्यास है। सांस, संतुलन और गति के जरिए हम खुद से जुड़ते हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि योग को अपने जीवन का एक हिस्सा बनाएं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी मानसिक और आध्यात्मिक उन्नयन के लिए इसे जरूरी बताते हुए एक्स पर लिखा, सभी प्रदेशवासियों एवं योग साधकों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

दिया। उन्होंने कहा, परियोजनाओं की एक मजबूत पाइपलाइन, पूर्वानुमानित राजस्व धाराएं और मारकोकुट बोली प्रक्रियाएं आवश्यक हैं।विश्व बैंक में अर्बन और लैंड के लिए प्रैक्टिस मैनेजर अबेलजजक खलील ने कहा, +2050 तक, 800 मिलियन लोगों के

भारतीय शहरों में रहने की उम्मीद है। इस कारण शहरों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, लेकिन कई अभी तक तैयार नहीं हैं। उन्होंने निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए एकलूक नियोजन और रहने की क्षमता की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति कतना होगा जागरूक

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह एक वैश्विक संदेश देता है कि अब वह समय आ गया है जब मनुष्य और प्रकृति के बीच खोए हुए सन्तुलन को फिर से स्थापित किया जाना चाहिए। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का थीम है विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी।

हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में है। ईसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ ईसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

स्वस्थ पर्यावरण हमारे जीवन में काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि बिना इसके स्वस्थ रहने की कल्पना करना मुश्किल है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगे। पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के 'परि' उपसर्ग (चारों ओर) और 'आवरण' से मिलकर बना है जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है जिसका अर्थ है घेरना, घेरना या घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं। देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पड़ो को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हें कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ों को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं।

मनुष्य प्रकृति द्वारा बनाया गया सबसे बुद्धिमान प्राणी माना जाता है। उसने एक ओर जहां विज्ञान से प्रौद्योगिक का विकास किया वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण भी किया। इसी का नतीजा है कि उद्योगों से निकलने वाला धुआँ, दूषित पदार्थ आदि प्रदूषण को जन्म दे रहे हैं। इस कारण जलप्रदूषण, वायुप्रदूषण हुआ है। आवास एवं शहरीकरण हेतु वनों की अत्यधिक कटाई के कारण मिटटी प्रदूषण एवं भूमि कटाव जैसी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। वर्तमान समय में प्रदूषण किसी एक गांव, कस्बे या शहर की समस्या नहीं है अपितु यह संपूर्ण विश्व की बहुत विकराल समस्या बन गई है। पांच वर्ष पूर्व लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अब तक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी पने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। लाकडाउन के दौरान बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी।

लिवर सिरोसिस क्या होता है, ये कितना खतरनाक, इससे कैसे बचें?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान और जीवनशैली में लापरवाही कई बीमारियों की वजह बन रही है. खासकर लोग लिवर की समस्या से ज्यादा परेशान दिख रहे हैं. लिवर से जुड़ी परेशानी के कारण अस्पतालों में काफी भीड़ दिखती है. लिवर से जुड़ी एक समस्या है, लिवर सिरोसिस की. यह बीमारी धीरे-धीरे लिवर को नुकसान पहुंचाती है और समय पर इलाज न मिलने पर जानलेवा भी हो सकती है, लेकिन अच्छी बात ये है कि कुछ सावधानियों से इसे रोका भी जा सकता है. आइए डॉक्टर से जानते हैं लिवर सिरोसिस क्या होता है, इसके लक्षण क्या हैं और कैसे इससे बचा जा सकता है.

नेशनल लाइव्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक,लिवर सिरोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर के टिशू (कोशिकाएं) धीरे-धीरे खराब हो जाते हैं और उनके स्थान पर कठोर ऊतक (फाइब्रोसिस) बन जाता है. इससे लिवर सही तरीके से काम नहीं कर पाता. लिवर हमारे शरीर में कई अहम काम करता है. जैसे कि खून को साफ करना, पाचन में मदद करना और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालना. जब लिवर में फाइब्रोसिस बढ़ जाता है, तो वह ये काम नहीं कर पाता और शरीर की सेहत पर असर पड़ता है.

लिवर सिरोसिस के मुख्य कारण क्या होते हैं?

अत्यधिक शराब का सेवन लंबे समय तक शराब पीने से लिवर को सबसे ज्यादा नुकसान होता है. हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण ये वायरल इन्फेक्शन लिवर को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाते हैं. मोटापा और फैटी लिवर- ज्यादा तैलीय और जंक फूड खाने से लिवर में फैट जमा हो जाता है, जो सिरोसिस का कारण बन सकता है.

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

- **ललित गर्ग**

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। ईसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केन्द्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेजबानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनएपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल



करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए एक सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अनुपम अवसरों और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि ईसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। ईसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियाँ, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है,

संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है। प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष

अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत

अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसल नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते।

दालमोठ बनाम बिस्कुट, मामला गंभीर है

- **सर्वमित्रा सुरजन**

अगर खबर सच्ची है तब तो मामला संगीन है कि क्या जज को जानबूझकर पुरानी दालमोठ पेश करने का कोई षड्यंत्र रचा गया और अगर खबर काल्पनिक है, तब भी गंभीर चिंता का विषय है कि क्या दालमोठ और बिस्कुट को चर्चा में लाने की यह कोई चाल है। क्योंकि आमतौर पर तो सरकारी बैठकों में चाय के साथ समोसे, ढोकले, कलाकंद आदि परोसे जाते हैं। लेकिन सिविल जज और सत्र न्यायाधीश जब साथ बैठे हों और बात केवल बिस्किट और दालमोठ में निपट जाए, क्या यह नाईसाफी नहीं है।

सोशल मीडिया पर खबर आई है कि उत्तर प्रदेश के गोण्डा में अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश ने अपने अदली को चाय और बिस्कुट ठीक से न मिलने पर नोटिस थमा दिया। नोटिस में अदली राकेश कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया है कि सिविल जज के आने पर चाय/बिस्कुट लाने के लिए कहने पर ऐसी दालमोठ क्यों लाई गई, जिससे गंध आ रही थी। इस खबर में कितनी सच्चाई है यह तो पता नहीं लेकिन सोशल मीडिया पर जो नोटिस वायरल हो रहा है, उसमें जज की तरफ से लिखा गया है- 'आज दिनांक 30 मई को लंच समय में मेरे विश्राम कक्ष में सिविल जज (जु.जि.) / एफटीसी नवीन, गोंडा सुश्री शर्मिष्ठा साहू मिलने आई थीं जिस पर मेरे द्वारा आपके चाय/बिस्कुट लाने हेतु कहा गया, जबकि आपके द्वारा केवल दो चाय लाई गई। मेरे द्वारा पुनः बिस्कुट लाने के लिए कहा गया, किंतु आपके द्वारा बिस्कुट न लाकर पुरानी खराब स्थिति में जिसमें से गंदी गंध आ रही थी, दालमोठ रखी गई। आलमारी में दो डिब्बे में अच्छी स्थिति में बिस्कुट रखे हुए थे। बावजूद आपके द्वारा जानबूझकर खराब पुरानी दालमोठ रखी गई, जो कि फेंकने की स्थिति में थी। इस सम्बन्ध में आप अपना स्पष्टीकरण दिनांक 31 मई को समय 10.30 बजे प्रस्तुत करें कि इस प्रकार की जानबूझकर घोर त्रुटि आपके द्वारा क्यों की गई।

अगर खबर सच्ची है तब तो मामला संगीन है कि क्या जज को जानबूझकर पुरानी दालमोठ पेश करने का कोई षड्यंत्र रचा गया और अगर खबर काल्पनिक है, तब भी गंभीर चिंता का विषय है कि क्या दालमोठ और बिस्कुट को चर्चा में लाने की यह कोई चाल है। क्योंकि आमतौर पर तो सरकारी बैठकों में चाय के साथ समोसे, ढोकले, कलाकंद आदि परोसे जाते हैं। लेकिन सिविल जज और सत्र न्यायाधीश जब साथ बैठे हों और बात केवल बिस्किट और दालमोठ में निपट जाए, क्या यह नाईसाफी नहीं है।

राहुल गांधी को देखना चाहिए कि नेहरूजी ने कैसा भारत बनाकर छोड़ा है, जहां किसी को रोजाना मखाने खाने मिलते हैं और किसी को पुरानी दालमोठ परोसी जाती है।

नेहरूजी के बाद शास्त्रीजी, इंदिराजी, राजीवजी सबने शासन कर लिया, किसी का ध्यान इस विसंगति पर नहीं गया। सब पता नहीं क्या-क्या करते रहे। कोई जय जवान, जय किसान कहता रहा, किसी ने पाकिस्तान के दो हिस्से कर दिए, कोई पंचायतों को मजबूत करने में लगा रहा और साथ में देश में कम्प्यूटर लेकर भी आ गया। ये सब करने से क्या भारत का भला हो गया।

आईआईटी, आईआईएम, एम्स न भी बनते तब भी भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए रोजाना शाखाएं कार्यरत थी हों, वहीं से निकले लोग आज राडार से बचने के नुस्खे हमारे लड़ाकु विमानों को देते हैं। और राहुल गांधी की हिमाकत देखिए, उन्हीं से सवाल करते हैं कि हमारे कितने विमान पाकिस्तान ने गिराए हैं।

गाजा और पश्चिमी तट पर कब्जा करने के लिए इजरायल पूरी तरह

- **नन्तु बनर्जी**

युद्ध के अंत, जो अंतिम चरण में पहुंच गया है, तक मृत्यु और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में काफी कमी आने की उम्मीद है। गाजा की लगभग 70 प्रतिशत फिलिस्तीनी आबादी शरणार्थी हैं, जो अपनी दैनिक आजीविका के लिए ज्यादातर मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। भूमि, वायु और समुद्र के माध्यम से परिवहन की आवाजाही पर सुरक्षा से जुड़ी इजरायली नाकाबंदी ने गाजा की अच्छी-खासी आबादी को क्षेत्र से भागने या भूख से मरने के लिए मजबूर किया है। एक तरह से, गाजा की शरणार्थी आबादी लंबे समय से संकीर्ण पट्टी में शो चलाने वाले हमास आतंकवादियों द्वारा बंदी बना ली गयी है। गाजा के हमास उग्रवादियों को एक बड़ी आपदा का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इजरायल लगभग 20 वर्षों के अंतराल के बाद गाजा पट्टी पर पूर्ण नियंत्रण करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके साथ ही, इजरायल फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और स्वीडन और यहां तक कि तेल अवीव में अपने ही लोगों के एक वर्ग के विरोध को नजरअंदाज करते हुए पश्चिमी तट के एक बड़े हिस्से (क्षेत्र सी) पर कब्जा करने के लिए कम्मर कसता हुआ दिखायी दे रहा है।

पिछले सप्ताह, इजरायल ने कहा कि वह कब्जे वाले पश्चिमी तट पर 22 अतिरिक्त यहूदी बस्तियां स्थापित करेगा। ईरान और ईरान समर्थक हौथियों को छोड़कर अरब दुनिया में हमास के कुछ ही सच्चे समर्थक हैं। 7 अक्तूबर 2023 से इजरायल-हमास युद्ध के दौरान हुई मौतों और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में भारी कमी के साथ गाजा जल्द ही इजरायल के विस्तारित क्षेत्र का हिस्सा बन सकता है।



वर्तमान गाजा युद्ध अतीत में कई अनसुलझ इजरायली-फिलिस्तीनी संघर्षों के बाद हुआ है, जिनमें 2008, 2009, 2012, 2014 और 2021 के संघर्ष शामिल हैं। लिडबना यह है कि इजरायल ने 2005 में दुनिया की सबसे घनी आबादी वाली बस्तियों में से एक गाजा पट्टी का नियंत्रण छोड़ दिया था। वह गाजा पट्टी से हट गया था और उसने वहां से अपनी सभी बस्तियों को खत्म कर दिया था। इजरायल फिलाडेल्फी मार्ग से भी वापस हो गया था, जो मिश्र के साथ सीमा से सटे भूमि की एक संकरी पट्टी थी, जब मिश्र ने राफा समझौते के तहत अपने क्षेत्र की सीमा को सुरक्षित रखने पर राजमंदी व्यक्त की थी। इजरायल चाहता तो 1967 में छह दिवसीय युद्ध के बाद गाजा को अपने नियंत्रण में ले सकता था। उसने पश्चिमी बैंक और पूर्वी येरूशलेम पर भी कब्जा कर लिया था। उस समय गाजा पट्टी 40 किलोमीटर लंबी थी और उसकी आबादी 13लाख थी। गाजा में जन्म दर दुनिया में सबसे अधिक है। हालांकि, वहां बिना किसी तनाव के शासन करने के लिए उचित यहूदी बस्ती के लिए बहुत कम जगह थी। युद्ध के अंत, जो अंतिम चरण में पहुंच गया है, तक मृत्यु और विस्थापन के कारण फिलिस्तीनी आबादी में काफी कमी आने की

उम्मीद है। गाजा की लगभग 70 प्रतिशत फिलिस्तीनी आबादी शरणार्थी हैं, जो अपनी दैनिक आजीविका के लिए ज्यादातर मानवीय सहायता पर निर्भर हैं। भूमि, वायु और समुद्र के माध्यम से परिवहन की आवाजाही पर सुरक्षा से जुड़ी इजरायली नाकाबंदी ने गाजा की अच्छी-खासी आबादी को क्षेत्र से भागने या भूख से मरने के लिए मजबूर किया है। एक तरह से, गाजा की शरणार्थी आबादी लंबे समय से संकीर्ण पट्टी में शो चलाने वाले हमास आतंकवादियों द्वारा बंदी बना ली गयी है।

एक बार फिर से उस क्षेत्र को हासिल करने के बाद, इजरायल वहां यहूदी आबादी की पर्याप्त उपस्थिति सुनिश्चित करेगा ताकि इसका सुचारु प्रबंधन सुनिश्चित हो सके और पट्टी को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाया जा सके। एक बार जब गाजा पट्टी पर विजय प्राप्त कर ली जायेगी है और पश्चिमी तट का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से इजरायल के नियंत्रण में आ जायेगा है, तो उम्मीद है कि देश दुनिया की शीर्ष आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में उभरने के अपने लंबे समय से संजोये गये सपने को साकार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। वर्तमान में, इजरायल पश्चिम एशिया का सबसे विकसित और उन्नत देश है, जिसके पास दुनिया में 17वां



एफआईएच प्रो लीग में भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें बेल्जियम के खिलाफ मैदान में उतरेंगी

एजेंसी
नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के अंतिम चरण में भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें बेल्जियम के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। यूरोप दौरे पर वर्ल्ड कप क्वालीफिकेशन की उम्मीदों के साथ उतरी भारतीय टीमों का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। अब बची हुई दो मुकाबलों में टीमों की नजर सम्मानजनक जीत के साथ अभियान को समाप्त करने पर है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम लगातार छह हार के बाद अब मौजूदा दौर की सबसे मजबूत टीमों में से एक, बेल्जियम से भिड़ेगी। बेल्जियम ने हाल ही में स्पेन को 6-3 से हराया था, हालांकि उससे पहले वे उसी टीम से 1-2 से हार गए थे। बेल्जियम इस समय अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है, जबकि भारत आठवें स्थान पर फिसल चुका है। भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि हमने खराब हॉकी खेली है। असली दुख तब होता है जब आप अच्छे खेलें लेकिन नतीजे ना मिलें। इन दो मुकाबलों में हमारा लक्ष्य डिफेंस को मजबूत बनाना और स्कोरिंग के अवसर बनाना होगा। भारतीय महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि उनकी टीम दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम के खिलाफ मुकाबले के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, +ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों मुकाबले और अर्जेंटीना के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट तक गया मुकाबला हमारे लिए सीख देने वाले रहे। पिछली बार जब हम बेल्जियम से भिड़े थे, हमने उन्हें कोई आसान जीत नहीं दी थी। इस बार भी हम उसी आत्मविश्वास और तैयारी के साथ उतरेंगे।

हॉकी लीग : नेशनल स्पोर्टिंग ने केपीआईसी को 10-1 से हराया

प्रयागराज। नेशनल स्पोर्टिंग क्लब ने केपीआईसी को 10-1 से रैंडकर प्रथम हार्फिंग गजनफर उल्ला इलाहाबाद हॉकी लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। वहीं दूसरे मैच में आनंद हॉकी एकेडमी के मैदान छोड़ देने के कारण उत्तर मध्य रेलवे को विजेता घोषित किया गया मजीदिया इस्लामिया इंटर कालेज मैदान पर खेले गये पहले मैच में नेशनल स्पोर्टिंग क्लब ने केपीआईसी को 10-1 से हराया। विजेता टीम के लिए फहद और शाहबाज अली ने तीन-तीन, रैयान खान, मोहम्मद सैफ, अरबाज खान और जैद खान ने एक-एक गोल किया। केपीआईसी के लिए एक गोल आदित्य भारतीय ने किया। मैच में शाहबाज और राहुल निर्णायक रहे। दूसरे मैच में उत्तर मध्य रेलवे और आनंद हॉकी एकेडमी की टीम 1-1 की बराबरी पर चल रही थी। उत्तर मध्य रेलवे के शोएब आलम और आनंद हॉकी एकेडमी के शौर्यजीत ने गोल किया। लेकिन मैच समाप्त होने से पांच मिनट पहले रेफरी के निर्णय से नाखुश होकर आनंद हॉकी एकेडमी ने आगे मैच खेलने से इनकार कर दिया। पांच मिनट इंतजार के बाद निर्णायकों ने उत्तर मध्य रेलवे को विजेता घोषित कर दिया।

सोपोर, नेहलपोरा में अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताएं आयोजित

बारामूला। युवा सेवा एवं खेल, बारामूला ने जिले भर में अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करके जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी है। खेल आयोजनों की इस श्रृंखला में जोन सोपोर और जोन नेहलपोरा ने क्रमशः हैडबॉल और खो-खो में चयन ट्रायल और प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं। जोन सोपोर ने सुंदर खुशाल स्टेडियम, सोपोर में अंडर-14 और अंडर-17 लड़कियों के लिए अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तर की हैडबॉल प्रतियोगिता आयोजित की। इस कार्यक्रम में 10 स्कूलों की उसाही भागीदारी देखी गई क्योंकि युवा लड़कियों ने चयन ट्रायल के दौरान अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य अगले स्तर के टूर्नामेंट के लिए सबसे होनहार खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट करना था जिससे प्रतिभागियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम भावना की भावना को बढ़ावा मिले। इसके साथ ही जोन नेहलपोरा ने हायर सेकेंडरी स्कूल नेहलपोरा में अंडर-17 लड़कों के लिए अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तर की खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जोन के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया।

अंडर 23 क्रिकेट टीम के लिए 22 जून को होंगे ट्रायल्स

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर-23 क्रिकेट टीम (मैन) के चयन के लिए 22 जून को ट्रायल आयोजित किए जा रहे हैं। ट्रायल प्रक्रिया उना जिला के इंडिरा स्टेडियम में पूरी की जाएगी। एचपीसीए के सचिव अक्नीश परमार ने बताया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी खिलाड़ी हिमाचली बोनाफाइड होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रायल में एक सिस्टम 2002 को या इसके बाद पैदा हुए युवा ही हिस्सा ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रायल्स में वही खिलाड़ी हिस्सा ले पाएंगे जो एचपीसीए के साथ पंजीकृत हैं। ट्रायल्स के दौरान खिलाड़ियों को जन्मतिथि प्रमाण पत्र, 10वीं का प्रमाणपत्र, बोनाफाइड और आधारकार्ड साथ लाने होगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए होने जा रहे यह ट्रायल्स 22 जून को सुबह नौ बजे से शुरू होंगे। खिलाड़ियों को अपना किट साथ लाना होगा।

नीरज चोपड़ा ने दो साल बाद जीता पहला डायमंड लीग खिताब

एजेंसी
पेरिस/नई दिल्ली। भारत के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व मंच पर अपना लोहा मनवाया। उन्होंने पेरिस के शारलेटी स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग मीट में शुक्रवार (भारतीय समयानुसार शनिवार) को शानदार प्रदर्शन करते हुए दो साल बाद अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। नीरज ने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही और उन्हें विजेता घोषित किया गया। यह उनके सीजन का दूसरा डायमंड लीग इवेंट था। इससे पहले उन्होंने मई में दोहा में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार करते हुए 90.23 मीटर भाला फेंका था, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। जर्मनी के जूलियन वेबर, जिन्होंने नीरज को



87.88 मीटर की दूरी के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बाजील के लुइज मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर का प्रयास कर तीसरा स्थान हासिल किया और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अमेरिका का

नया रिकॉर्ड भी बनाया। ग्रेगंडा के एंडरसन पीटर्स, जिनसे कड़ी टक्कर की उम्मीद थी,

80.29 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कोशिश के साथ पांचवें स्थान पर रहे। वहीं त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशॉन वॉलकॉट ने 81.66 मीटर फेंककर चौथा स्थान प्राप्त किया। नीरज के लिए यह पेरिस डायमंड लीग में आठ

कमल गल्ट्स (अंडर-16)-में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। ग्रोम्स बॉयज (अंडर-16) में प्रह्लाद श्रीराम ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट सर्पिंग स्वामी फाउंडेशन द्वारा आयोजित, मंजा सर्फ क्लब द्वारा होस्ट और सर्पिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के तत्वावधान में संपन्न हुआ।

श्रीकांत डी ने रचा इतिहास पिछले साल उपविजेता रहे श्रीकांत डी ने इस बार शानदार वापसी करते हुए पुरुषों की ओपन कैटेगरी में 14.63 अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया। राष्ट्रीय चैंपियन रमेश बुड्डिला 11.87 अंकों के साथ दूसरे, जबकि सिंवारज सालू (9.77) और संजय बेल्बमणि (7.07) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे।

कमल गल्ट्स का दोहरा जलवा तमिलनाडु की कमली मूर्ति ने महिलाओं की सर्पिंग में अपना वर्चस्व कायम रखते हुए ओपन और ग्रोम्स गल्ट्स (अंडर-16) दोनों वर्गों में खिताबी जीत दर्ज की। महिला ओपन फाइनल में उन्होंने 13.33 स्कोर के साथ शुगर शांति बनारसे (10.50) को हराया। ग्रोम्स गल्ट्स फाइनल में उन्होंने पूरे टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर-

15.50-हासिल किया और आद्या सिंह (2.36) व सानवी हेगड़े (2.20) को बड़े अंतर से मात दी। युवा प्रतिभा का दमखम ग्रोम्स बॉयज (अंडर-16) कैटेगरी में तमिलनाडु के प्रह्लाद श्रीराम ने 11.06 अंकों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा में जीत दर्ज की। हरिश पी (9.67) और सोम सेठी (9.30) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान पाया, जिससे देश में उभरती हुई युवा सर्पिंग

प्रतिभाओं की गहराई का अभ्यास हुआ। मौसम से जंग जीतकर हुआ आयोजन यह इवेंट मूल रूप से 30 मई से 1 जून के बीच आयोजित होना था, लेकिन शुरुआती मानसून और चक्रवातीय हालात के कारण इसे टालना पड़ा। आयोजकों ने खिलाड़ियों की सुरक्षा और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को ध्यान में

रखते हुए प्रतियोगिता को बंद दरवाजों के पीछे, केवल प्रतिभागियों और अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया। आयोजन की सफलता पर आयोजकों की प्रतिक्रिया सर्पिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और मंत्रा सर्प क्लब के निदेशक रममोहन परांजपे ने कहा, हालांकि हमें प्रारंभिक चुनौतियों का सामना करना

पड़ा, सुनिल गावस्कर अंततः हम इस प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक आयोजित कर सके। इंडियन ओपन ऑफ सर्पिंग राष्ट्रीय चैंपियनशिप सीरीज का महत्वपूर्ण चरण है और इसे रद्द करना खिलाड़ियों की रैंकिंग को प्रभावित करता। हम सभी विजेताओं को बधाई देते हैं और हर खिलाड़ी की खेल भावना और समर्पण की सराहना करते हैं।

स्कॉटलैंड ने नेपाल को 34 रन से हराकर त्रिकोणीय टी 20 सीरीज जीता

कुल 193/5 का स्कोर खड़ा किया। अंत में माइकल लिस्क (26*) ऐरी ने नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 34 रन बनाए और



और मैथ्यू क्रॉस (17*) ने अंतिम मैच में वह नेपाल के सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने। लेकिन ऐरी के आउट होते ही नेपाल की उम्मीदें भी लगभग खत्म हो गईं। लोग सिमर क्रिस ग्रीस में आउट हो गए, जबकि भीम शाकी और आरिफ शेख को फकयान शरीफ ने पवेलियन भेजा। आसिफ शेख रन आउट हो गए। हालांकि दीपेंद्र सिंह

कूळ समय तक संघर्ष किया। इस मैच में वह नेपाल के सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बने। लेकिन ऐरी के आउट होते ही नेपाल की उम्मीदें भी लगभग खत्म हो गईं। लोग सिमर क्रिस ग्रीस में 3 विकेट झटकते हुए नेपाल की कमर तोड़ दी। उन्होंने ऐरी के अलावा संदीप लामिछने और रिजन ढकाल को भी आउट किया। हालांकि निचले

कल्याण चौबे का भूटिया पर पलटवार: भूटिया ने जानबूझकर एआईएफएफ की छवि को धूमिल करने के लिए लगाए बेबुनियाद आरोप

एजेंसी
नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया के हालिया आरोपों पर कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने भूटिया के बयानों को निराधार और संगठन की छवि को खराब करने वाला बताया है। गौरतलब है कि बाईचुंग भूटिया ने कलकत्ता स्पोर्ट्स इन्स्टिट्यूट स्क्वब में एक प्रेस वार्ता के दौरान कल्याण चौबे पर राजनीतिक लाभ के लिए एआईएफएफ के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, यह पहली बार है जब एआईएफएफ का कोई अध्यक्ष राजनीतिक लाभ के लिए विपक्षी नेता को पद की पेशकश कर रहा है। इससे न केवल एआईएफएफ के अध्यक्ष को पद की गरिमा घटी है, बल्कि इससे उनकी पार्टी की छवि भी खराब हो रही है। भूटिया ने आगे कहा कि 2022 में हुए एआईएफएफ चुनावों के दौरान जिन लोगों ने चौबे का

समर्थन किया था, वे अब पछता रहे हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर आगामी चुनाव निष्पक्ष और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होंगे, तो वे फिर से चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। भूटिया ने एआईएफएफ और इसके मार्केटिंग

पार्टनर एफएसडीएल (फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड) के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट को लेकर हुई बातचीत की आलोचना करते हुए कहा, जो लोग एफएसडीएल से डील करने जा रहे हैं, वे सिर्फ चाय-पिज्जा खाकर वापस आ रहे हैं। उन्हें खुद यह नहीं

पता कि उन्होंने प्रस्ताव में क्या रखा। उन्होंने पूर्व गोलकीपर सुब्रत पॉल को राष्ट्रीय टीम के डायरेक्टर बनाए जाने और कोच मनोले मार्केंज के ऊपर निगरानी रखने को भी हास्यास्पद करार दिया। उन्होंने कहा,आप एक सफल कोच लाते हैं और फिर एक फुटबॉलर को उस पर निगरानी के लिए बैठा देते हैं, यह उस कोच का अपमान है, ओसीआई (विदेश) में रहने वाले भारतीय नागरिकों) खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने के मुद्दे पर भूटिया ने कहा कि यह विचार नया नहीं है और पहले भी प्रयास किए गए हैं, लेकिन यह सरकारी नीति पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, कल्याण चौबे पिछले तीन साल में इस दिशा में कोई प्रयास नहीं कर सके और अब अचानक ओसीआई पर बात करने लगे हैं। यह सिर्फ अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश है। बाईचुंग के आरोपों में मदद एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने आधिकारिक बयान जारी कर प्रतिक्रिया दी।

ब्रिट्स की लड़ाकू 98 रनों की पारी, दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 में 50 रनों से हराया

एजेंसी
केव हिल (बारबाडोस)। दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज तज़मिन ब्रिट्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए करियर की सर्वश्रेष्ठ 98 रनों की नाबाद पारी खेली और अपनी टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 50 रन की बड़ी जीत दिलाई। ब्रिट्स ने महज 63 गेंदों में 9 चौकों और 4 छकों की मदद से यह पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 183 रन बनाए। जबकि वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर सिर्फ 133 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर पहले

बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान

नादिन डी क्लाकॉ ने तीसरे विकेट के लिए तेज 71 रनों की साझेदारी की।

लौरा वोल्वाइट और अनुभवी मैरिज़ान केम पांच ओवर के अंदर ही पवेलियन लौट गईं, दोनों विकेट युवा गेंदबाज जाहज़ारा क्लैक्सटन ने लिए। हालांकि इसके बाद ब्रिट्स और

डी क्लाकॉ 21 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि मध्यक्रम में कोई बड़ी पारी देखने को नहीं मिली, लेकिन क्लो ट्रायान ने 9 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। अंत तक एक छोर

संभालते हुए ब्रिट्स ने दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत तेज रही, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। पाँवरप्ले में टीम ने 47 रन बनाए, जो दक्षिण अफ्रीका से ज्यादा थे, लेकिन 3 विकेट गंवा दिए, जिनमें कप्तान हेली मैथ्यूज का विकेट भी शामिल था। आठवें ओवर तक टीम के पांच विकेट गिर चुके थे। इसके बाद चिनेल हेनरी और जानीलिया ग्लासगो ने छठे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी कर कुछ संघर्ष जरूर दिखाया, लेकिन रन गति कम रहने के कारण वे लक्ष्य से बहुत पीछे रह गए।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय-2 जम्मू छावनी में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

जम्मू। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 जम्मू में आज संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इसका आयोजन दिनांक 20/6/2025 से दिनांक 23/6/2025 तक होना सुनिश्चित है। 20-21 जून को बालिका वर्ग हेतु व 22-23 जून को बालक वर्ग हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का निर्धारण किया गया है। जम्मू संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के लगभग 180 प्रतिभागी व अनुसूचित विद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। इनमें कुल 42 बालिकाएं तथा 138 बालक विभिन्न प्रतियोगिताओं में आज से अपना दम खम दिखाएंगे। विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार यादव ने माता सरस्वती की अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

शुभमन गिल ने रचा इतिहास, टेस्ट कप्तान के तौर पर डेब्यू में शतक जड़ने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बने

एजेंसी
लौड्स। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में कप्तान के रूप में पदार्पण करते हुए शानदार शतक जड़कर इतिहास रच दिया। वह टेस्ट कप्तान के तौर पर डेब्यू में शतक लगाने वाले भारत के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं।गिल ने यह शतक हैडिंग्ले में खेले जा रहे मुकाबले के पहले दिन बनाया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने विजय हजारे, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विराट कोहली की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। गिल 127 रन बनाकर नाबाद है। पहले दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने 3 विकेट पर 359 रन बना लिए हैं। यह गिल के टेस्ट करियर का छठा शतक है और एशिया के बाहर उनका पहला। इससे पहले विदेश में

उनका सर्वोच्च स्कोर 91 रन था, जो उन्होंने 2021 में ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया था। गिल अब तक 7 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। भारतीय टेस्ट कप्तान के तौर पर डेब्यू में शतक लगाने वाले बल्लेबाज: विजय हजारे - 164* बनाम



इंग्लैंड (दिल्ली, 1951) सुनील गावस्कर - 116 बनाम न्यूजीलैंड (ऑकलैंड, 1976) दिलीप वेंगसरकर - 102 बनाम वेस्टइंडीज (दिल्ली, 1987) विराट कोहली - 115 और 141 बनाम ऑस्ट्रेलिया (एडिलेड, 2014) शुभमन गिल - 127* बनाम इंग्लैंड (लीड्स, 2025)

मिक्स्ट डिसएबिलिटी टी20 सीरीज के लिए तैयार भारत, पहला मुकाबला

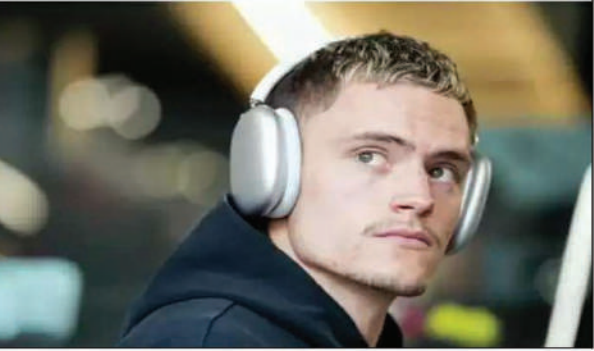
एजेंसी
टॉनटन (यूके)। मुख्य भारतीय क्रिकेट टीम को तो आप सभी ने बहुत प्यार दिया है, लेकिन अब समय भारत के उन शूर वीरों का समर्थन करने का है, जिन्होंने अपनी सभी कमियों को दरकिनार कर विदेश में तिरंगा लहाने की ठान रखी है। भारत की मिक्स्ट डिसएबिलिटी क्रिकेट टीम पहली बार दूसरे देश में इंग्लैंड के साथ मिक्स्ट डिसएबिलिटी टी20 सीरीज खेलने जा रही है। साथ ही मैचों की इस मिक्स्ट डिसएबिलिटी वाइरलिटि टी20 सीरीज का आगाज शनिवार, 21 जून को समरसेट काउंटी क्रिकेट क्लब के घरेलू मैदान टॉनटन में होगा। इस ऐतिहासिक सीरीज का फाइनल मुकाबल तीन जुलाई को ब्रिस्टल में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा। मुंबई के रविंद्र गोपीनाथ शांति की अगुवाई में भारत की मिक्स्ट डिसएबिलिटी टीम 15 जून को इंग्लैंड पहुंच चुकी है। इस 16 सदस्यीय टीम का चयन डिफेंसटली-

एबलड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) द्वारा किया गया है। जिसके उपकप्तान वीरेंद्र सिंह, जबकि मुख्य कोच पूर्व राजस्थान कप्तान राहुत झलानी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा मंजूरी प्राप्त इस टीम में 06 मूक-बधिर, 06 शारीरिक रूप से दिव्यांग और 04 बौद्धिक रूप से विकलांग खिलाड़ियों को जगह दी गई है। इस बारे में डीसीसीआई के महासचिव रवि चौहान ने कहा, हम इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और बीसीसीआई का तहेदिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने हमें इस दौरे के लिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों जैसी सभी सुविधाएं प्रदान की हैं। हम इस दौरे के सभी मैच इंग्लैंड के प्रथम श्रेणी मैदानों पर खेल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस दौरे के लिए हमारा पूरा सहयोग किया है। हम आशा करते हैं कि आईसीसी अध्यक्ष के रूप में भी वे इस प्रारूप को समर्थन देंगे।

लिवरपूल ने फ्लोरियन विर्ट्ज़ को बायर लेवरकुसेन से किया साइन

एजेंसी
लंदन। प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल ने जर्मनी के स्टार फॉरवर्ड फ्लोरियन विर्ट्ज़ को बायर लेवरकुसेन से साइन कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह डील 116 मिलियन पाउंड (करीब 15.6 मिलियन डॉलर) में हुई है, जो ब्रिटिश फुटबॉल इतिहास की सबसे महंगी डील बन गई है। 22 वर्षीय विर्ट्ज़ को यूरोपीय फुटबॉल के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं में गिना जाता है। उन्होंने 2023/24 सीजन में बायर लेवरकुसेन को न केवल क्लब के इतिहास का पहला बुदेस्लीगा खिताब जिताया, बल्कि जर्मन कप भी दिलाया - वो भी पूरे सीजन एक भी मैच हारे बिना। साईनिंग के बाद विर्ट्ज़ ने कहा, मैं बहुत खुश और गर्व महसूस कर रहा हूँ। लंबे समय से इंतजार कर रहा था और अब जब यह पूरा हो गया है, तो यह मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने आगे कहा,मेरे लिए यह एक नया रोमांचक अध्याय है। मैं कुछ नया चाहता था - बुदेस्लीगा से बाहर

निकलकर प्रीमियर लीग में कदम रखना चाहता था। मैंने कुछ ऐसे खिलाड़ियों से बात की जो यहाँ खेल चुके हैं, उन्होंने कहा कि यह



मेरे लिए एकदम सही जगह है। हर मैदान पर खेलने में मजा आता है और मैं अपने पहले मैच को बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ। विर्ट्ज़ के पास लेवरकुसेन के साथ अब भी दो साल का कॉन्ट्रैक्ट बाकी था, लेकिन उन्हें बायर्न म्यूनिख और मैनेस्टर सिटी भी जोड़कर देखा जा रहा था।

की दूसरी बड़ी गर्मियों का साइनिंग है। वह लेवरकुसेन के पूर्व साथी जेरेमी क्रिपिंग से एक बार फिर जुड़ेंगे, जिन्हें क्लब पहले ही साइन कर चुका है।इस डील से यह साफ हो गया है कि लिवरपूल नए युग की शुरुआत करना जा रहा है - युवा, ऊर्जावान और खिताबों के लिए बेताब।

ब्रिलियंट बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स की बड़ी जीत, चेन्नई बुल्स को जीएमआर आरपीएल सीजन 1 में पहली हार का सामना करना पड़ा

एजेंसी
मुंबई। भारतीय खेलों में चेन्नई और बेंगलुरु की टीमों पारंपरिक रूप से एक तीव्र प्रतिद्वंद्विता रखती हैं और शुक्रवार शाम मुंबई के शाहजोी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में जीएमआर रब्बी प्रीमियर लीग के दौरान यह कप्तानी फिर से दोहराई गई। फॉर्म में चल रही ब्रेवहार्ट्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26-0 से जीत दर्ज की और चेन्नई बुल्स को सीजन की पहली हार का स्वाद चखाया। यह जीएमआर आरपीएल सीजन 1 में पहली बार है, जब किसी टीम ने विपक्षी को स्कोर करने से पूरी तरह रोका है।जीएमआर आरपीएल के पहले हफ्ते की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से

एक मानी जा रही इन दोनों टीमों के बीच पहला हाफ काफी रोमांचक रहा, जिसमें आखिरी पलों में टैकल और दोनों टीमों द्वारा शानदार काउंटर अटैक देखने को मिले। पहले हाफ में कोई स्कोर नहीं हुआ, लेकिन दूसरे हाफ में बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स ने चेन्नई बुल्स की डिफेंस को तोड़ते हुए पहला ट्राय किया। ब्रेवहार्ट्स के आक्रमण की कप्तान लिआम पॉल्टन के हाथों में थी, जिन्होंने दूसरे हाफ में दो ट्राय किए, और उन्हें पोल प्ला ने तीसरा ट्राय जोड़कर पूरा साथ दिया। अंतिम सीटी से ठीक पहले ब्रेवहार्ट्स ने वोकोराच ने चौथा ट्राय किया, जबकि अकुइला रोकॉलिसीआ ने चार में से तीन किक्स को कनवर्ट किया।

साहित्य का बहुराष्ट्रीयता का अर्थ अतिवर्धित और सामान्य स्तर पर हुआ है, लेकिन सुविधा के अर्थ रेडियोलॉजिकल और रासायनिक स्तर तक संपूर्ण है। उन्होंने कहा, मुख्य रूप से अल्फा कणों से युक्त विकिरण अगर सांस के साथ अंदर जाए तो निगला जाए तो एक बड़ा खतरा करता है। श्वसन उपकरणों का उपयोग करने जैसे उचित सुरक्षात्मक उपायों का प्रबंधन जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रभावित किया जा सकता है। सुविधा अंदर मुख्य चिंता रासायनिक विषाक्तता है।

Rajkummar Rao की गैंगस्टर फिल्म से

हम कुरैशी

का ग्लैमरस अंदाज, कहा- मैं क्यों नहीं कर सकती



राजकुमार राव और डायरेक्टर पुलकित ने अपनी अपकमिंग फिल्म मालिक के साथ एक नई दुनिया बनाई है, जिसमें हर कदम पर मुश्किलें और परेशानियों का सामना करना पड़ता है। राजकुमार राव अपने काम से हर बार दर्शकों को काफी इंप्रेस करते हैं। सादगी वाले किरदार हों या फिर गंभीर किरदार, एक्टर खुद को पूरी तरह से हर रोल में डाल लेते हैं। स्त्री 2 की शानदार कमाई के जरिए राजकुमार ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अब अपनी गैंगस्टर वाली फिल्म मालिक को लेकर एक्टर सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में खबर आई थी कि इस फिल्म के साथ अब हुमा कुरैशी का नाम भी जुड़ गया है। अब उनकी पहली झलक भी सामने आ गई है। हुमा कुरैशी ने इस एक्शन फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाया है, जो मालिक की 'महफिल में मल्लिका का स्वागत' गाने में नजर आ रही हैं। मिड-डे के साथ गाने का पहला लुक शेयर करते हुए, एक्ट्रेस ने बताया कि तमाशा देखने के उनके प्यार ने उन्हें इस डांस नंबर के लिए हां करने के लिए मजबूर कर दिया। हुमा ने कहा, मुझे तमाशा पसंद है! मुझे भारतीय फ़िल्में पसंद हैं, जिनमें इस तरह के गाने होते हैं।

‘बीड़ी’ साँग देखकर बड़ी हुई हूँ- हुमा

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं ओमकारा (2006) के बीड़ी गाने पर नाचते हुए बड़ी हुई हूँ। इसलिए, मुझे लगा कि यह गाना यह दिखाने के लिए एकदम सही है कि मैं कौन हूँ, जब तक आपका गाना किसी पार्टी में नहीं बजता, तब तक आपने क्या ही बनाया है?

मैं खुद को बॉक्स में नहीं रख सकती- हुमा

डांस नंबर में हुमा कुरैशी को डांस कराता हुए देखना फैन्स के लिए थोड़ा अलग है, क्योंकि इससे पहले वो महारानी, तरला (2023) और दिल्ली क्राइम में मजबूत परफॉर्मेंस दे चुकी हैं। इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह संतुलन बनाने का सबसे अच्छा तरीका है। मैं हमेशा एक कलाकार के रूप में सब कुछ देखती हूँ। मैं एक कलाकार के रूप में अपने काम को संतुलित करना चाहती हूँ। लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या डांस नंबर मेरी छवि को कमजोर करते हैं, लेकिन मैं एक तय इमेज नहीं रखना चाहती।

सिर्फ इसलिए कि मैं महारानी या दिल्ली क्राइम जैसे प्रशंसित शो कर सकती हूँ, इसका मतलब यह नहीं है कि मैं यह नहीं कर सकती। मैं खुद को बॉक्स में रखने से इनकार करती हूँ। कोई भी मुझे यह नहीं बता सकता कि मैं क्या कर सकती हूँ और या क्या नहीं।

रानी मुखर्जी

नहीं, ये एक्ट्रेस होतीं आमिर खान की इस हिट फिल्म की हीरोइन, लास्ट मोमेंट पर छोड़ी थी मूवी

27 साल पहले फिल्म गुलाम आई थी जो आमिर खान की पहली एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। इसके पहले उनकी सारी फिल्मों लव स्टोरीज पर ही थीं जिसमें एक्शन सीन थे लेकिन फिल्म एक्शन पर बेस्ड नहीं थी। 'गुलाम' में एक्शन के साथ सर्येंस भी था और लोगों को ये फिल्म पसंद आई। इस फिल्म में आमिर खान के साथ रानी मुखर्जी की जोड़ी को पसंद किया गया था लेकिन असल में अगर सबकुछ ठीक होता तो इसमें आमिर के साथ सुष्मिता सेन की जोड़ी बनती पर ऐसा हो नहीं सका। 19 जून 1988 को रिलीज हुई फिल्म गुलाम को महेश और मुकेश भट्ट ने प्रोड्यूस किया था जबकि इसके डायरेक्टर विक्रम भट्ट थे। फिल्म में कई गाने थे लेकिन दो गानों ने धमाल मचा दिया था। रानी मुखर्जी की एक्टिंग कमाल की थी लेकिन मेकर्स की पहली च्वाइस रानी नहीं बल्कि सुष्मिता सेन थीं। सुष्मिता ने ये फिल्म अचानक क्यों छोड़ दी थी और इसके पीछे की वजह उस समय क्या सामने आई थी, आइए आपको बताते हैं।

सुष्मिता सेन ने क्यों छोड़ी थी 'गुलाम' ?

IMDb के मुताबिक, वो दौर था जब सुष्मिता सेन फिल्म गुलाम के डायरेक्टर विक्रम भट्ट को डेट कर रही थीं। बताया जाता है कि दोनों रिलेशनशिप में थे और

उनका काफी करीबी रिश्ता था। इसी रिपोर्ट में बताया गया कि फिल्म के कुछ पार्ट की शूटिंग सुष्मिता के साथ हो चुकी थी लेकिन किसी बात पर उनका रिश्ता विक्रम भट्ट से बिगड़ा और वो अलग हो गए। उसी गुस्से में सुष्मिता सेन ने फिल्म छोड़ दी और फिर कभी भट्ट कैप के साथ काम नहीं किया। उस समय रानी मुखर्जी का शुरुआती सफर था और उन्हें ये फिल्म मिल गई। फिल्म रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर गई थी। Sacnilk के मुताबिक, फिल्म गुलाम का बजट 7 करोड़ था जबकि इसने वर्ल्डवाइड 23.10 करोड़ का कलेक्शन किया था।

किस ओटीटी पर देख सकते हैं 'गुलाम' ?

फिल्म गुलाम में आमिर खान और रानी मुखर्जी लीड रोल में थे, जबकि दीपक तिजोरी, शरत सक्सेना, आमिन हाजी, रजित कपूर, अक्षय आनंद, दलित ताहिल और आशुतोष राणा ने भी अहम किरदार निभाए थे। फिल्म में 'आंखों से तूने ये क्या कह दिया' और 'आती क्या खंडाला' सुपरहिट हुए थे।

आमिर खान की इस हिट एक्शन-थ्रिलर फिल्म को आप यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं जिसमें आमिर का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा।



इसी फिल्म से शुरू हुआ था सलमान खान और ऐश्वर्या राय का अफेयर, बजट से तीन गुना ज्यादा हुई थी कमाई



बॉलीवुड की कई लव स्टोरीज अधूरी रह गईं जिनमें से एक सलमान खान और ऐश्वर्या राय की प्रेम कहानी भी थी। सलमान और ऐश्वर्या ने पब्लिकली अपने प्यार को एक्स्प्रेट किया था और उनका अफेयर फिल्म हम दिल दे चुके सनम के सेट पर शुरू हुआ था। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ये दोनों करीब आए और फिल्म में उनकी रियल कैमिस्ट्री देखने को मिली थी लेकिन समय के साथ इनकी प्रेम कहानी खत्म हो गई, मगर ये फिल्म यादगार बन गई। फिल्म हम दिल दे चुके सनम ने बॉक्स ऑफिस पर भी कमाल कर दिया था। 18 जून 1996 को रिलीज हुई हम दिल दे चुके सनम एक म्यूजिकल-रोमांटिक फिल्म थी जिसका एंड अनहैप्पी होता है। ये फिल्म लोगों के दिलों को छू गई थी क्योंकि असल में भी सलमान और ऐश्वर्या की लव स्टोरी का कुछ ऐसा ही अंत हुआ था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की थी और इस फिल्म के जरिए सलमान-ऐश्वर्या करीब आने के बाद कैसे अलग हो गए आइए आपको बताते हैं।

‘हम दिल दे चुके सनम’ के सेट पर करीब आए थे सलमान-ऐश्वर्या फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली ने ही फिल्म हम दिल दे चुके सनम को डायरेक्ट किया था। IMDb के मुताबिक, इस फिल्म के लिए सलमान खान को उन्होंने चुन लिया था लेकिन ऐश्वर्या राय का नाम सलमान ने उन्हें सुझाया था क्योंकि एक इवेंट में सलमान ने ऐश्वर्या को देखा था और दिल हार गए थे। संजय लीला भंसाली ने ऐश्वर्या को बिना ऑडिशन के फिल्म में नंदिनी का रोल दे दिया और शूटिंग शुरू हुई।

बताया जाता है कि इसी सेट पर सलमान और ऐश्वर्या करीब आए और जो कैमिस्ट्री आपने समीर-नंदिनी की देखी थी वो सलमान-ऐश्वर्या की असली फीलिंग्स थी। यहां से इनका रिलेशनशिप शुरू हुआ और लगभग 3-4 साल चला। बाद में कुछ प्रोब्लम्स आईं जिसके बाद दोनों अलग हो गए और 2007 में ऐश्वर्या ने अभिषेक बच्चन से शादी कर ली थी।

कितनी हुई थी 'हम दिल दे चुके सनम' की कमाई ?

फिल्म हम दिल दे चुके सनम एक बेहतरीन फिल्म थी जिसके गाने, कहानी और डायलॉग्स सब पसंद किए गए थे। Sacnilk के मुताबिक, फिल्म हम दिल दे चुके सनम का बजट 16 करोड़ था जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 51.40 करोड़ रुपये हुआ था। इस फिल्म में 11 गाने थे जिनमें से 'चांद छुपा बादल में', 'निम्बोड़ा-निम्बोड़ा', 'आंखों की गुस्ताखियां', 'हम दिल दे चुके सनम टाइल ट्रेक' 'मन मोहिनी', 'झोंका हवा का आज भी' और 'तड़प-तड़प' जैसे गाने आज भी हिट हैं।

कैसे बनी थी अजय देवगन की सबसे पॉपुलर फिल्म 'सिंघम'? आधी रात को कटनी पड़ती थी शूटिंग



हिंदी सिनेमा के दिग्गज एक्टर अजय देवगन के करियर की सबसे शानदार फिल्मों में 'सिंघम' भी शामिल है। इस फिल्म में पुलिसवाले का किरदार निभाकर अजय देवगन ने फैस का दिल जीत लिया था और उन्हें फिर 'बॉलीवुड का सिंघम' भी कहा जाने लगा था। ये पिक्चर बहुत बड़ी हिट साबित हुई थी। वहीं इसके बनने की कहानी भी काफी दिलचस्प है। इसके लिए अजय को आधी रात को नहाना पड़ता था और शूट करना पड़ता था। सिंघम का डायरेक्शन करने वाले मशहूर डायरेक्टर रोहित शेट्टी ने इसके बनने के पीछे की पूरी कहानी शेयर की थी। उन्होंने बताया था कि इस फिल्म पर कब काम शुरू हुआ था और कितने महीनों में इसकी शूटिंग खत्म हो गई थी ? इसके एक सीन के लिए रात के 3 बजे पूरी टीम सेट पर होती थी।

कैसे शुरू हुई थी 'सिंघम' ?

अजय देवगन की 'सिंघम' साउथ एक्टर सूर्या की इसी नाम से आई फिल्म का हिंदी रीमेक है। रोहित शेट्टी ने कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाविया से एक बातचीत में सिंघम को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था, मैंने एक दिन अजय सर को कहा कि साथ में एक एक्शन फिल्म करेंगे तो उन्होंने कहा था तू बता कब करना है ? कब करेंगे ? मेरे पास तब एक डीवीडी पड़ी थी, मैंने लगाई और सिंघम (तमिल फिल्म) देखी। मैंने कहा ये तो कमाल की पिक्चर है। फिर मैंने इसके बारे में अजय सर को बताया। उन्होंने कहा बहुत अच्छा है। फिर पूछा कब करना है ? मैंने कहा अभी करेंगे। इसके बाद इस पर काम शुरू हो गया था।

रात को 3 बजे करनी पड़ती थी शूटिंग

रोहित शेट्टी ने आगे बताया था कि उन्होंने चार महीने में फिल्म की शूटिंग खत्म कर दी थी। शूटिंग गोवा और मुंबई में हुई थी। इस दौरान रोहित ने ये खुलासा भी किया था कि जो सिंघम का टाइटल ट्रैक है वो रात को तीन बजे शूट किया गया था। इसमें अजय देवगन नहाकर पानी के बीच से निकलते हुए नजर आते हैं, वो सीन आधी रात को सर्दी में फिल्माया गया था।

सुपरहिट हुई थी 'सिंघम'

सिंघम 22 जुलाई 2011 को रिलीज हुई थी। इसमें अजय के साथ काजल अग्रवाल ने लीड रोल किया था। वहीं विलेन के रोल में प्रकाश राज नजर आए थे। फिल्म 52 करोड़ के बजट में बनी थी और वर्ल्डवाइड 151 करोड़ रुपये कमाकर सुपरहिट साबित हुई।



